बाबा से मिलन का भरपूर सुख अनुभव करने के लिए अपने आप से व बाबा से रूहरिहान

स्वमान :- मैं संसार की सर्वाधिक भाग्यवान आत्मा हूँ..... ।

वाह मेरा भाग्य :- स्वयं ऊंचे ते ऊंचे शिव भोले भगवान ने मुझे ढूंढा है..., मैं संसार की सर्व आत्माओं से अति श्रेष्ठ पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूँ...., हर रोज स्वयं भगवान मुझसे मिलने आते हैं.....,वे मेरे साथ घंटों बैठकर मेरे से बहुत मीठी-मीठी, प्यारी-प्यारी बातें करते हैं...., मुझे पढ़ाते हैं....., वरदानों से भरपूर करते हैं....., उनकी नजरें हमेशा मेरे पर ठहर जाती हैं....., मैं भगवान को निहारता हूं....., भगवान मुझे निहारते हैं....., उनका असीम प्यार सदैव मुझ पर बरसता रहता है...., अथाह सुख मिलता है..., स्वयं भगवान ने मुझे अपनी सर्वशक्तियां दे दी हैं....., मुझे सर्व शक्तियों से संपन्न मास्टर सर्वशक्तिवान बनाया है..., समर्थ बनाया है, शक्तिशाली बनाया है...., खुशियों के सागर शिव बाबा ने मुझे खुशियों के खजाने से भरपूर कर दिया है... वाह रे मैं स्वीट आत्मा, वाह मेरा इतना ऊंचा भाग्य... जो भाग्यविधाता ही अपना हो गया...., वाह शिव बाबा वाह.... आपने तो मेरे जीवन को धन्य धन्य कर दिया....., बाबा तो मेरे सतगुरू भी हैं....., सतगुरु बाबा ने मुझे बहुत वरदान दिये हैं....., मेरा जीवन वरदानों से संपन्न कर दिया है....., मुझे मालामाल कर दिया है....., वरदानी मूर्त बना दिया है....., रोज सवेरे वे मेरे मस्तक पर हाथ फेरते हैं.., मुझे सहलाते हैं..., मुझे बहुत प्यार करते हैं..., आज शाम को फिर उनसे मुलाकात होगी....,फिर से वे मेरे मस्तक पर अपना वरदानी हाथ रखकर मुझे भरपूर करेंगे..., मुझसे बहुत प्यार करेंगे...., मुझे मुरली सुनायेंगे....., अतिन्द्रिय सुख का अनुभव करायेंगे....., मुझे सबसे जास्ती करन्ट देंगे...., मैं भी उन्हें गुडमार्निंग करूंगा....., फिर मुझे देख बाबा बहुत हर्षित होंगे....., कितनी बड़ी ब्राह्माणों की सभा लगेगी....., लेकिन सारी सभा में सबसे ज्यादा चमक मुझ आत्मा की होगी इसलिए बाबा की नजर मेरे पर विशेष रहेगी...., बाबा मुझे विशेष करन्ट देंगे, शक्तियों से संपन्न करेंगे...., आज बहुत सुन्दर, मुधर मंगल मिलन होगा....., कितनी सुखदायी घड़ियां होंगी...., जब हम दोनों का मिलन होगा ....., वाह बाबा वाह, कितना सुख मिल रहा है...., कितना प्यार मिल रहा है....., यह अमूल्य क्षण कितने सुखदायी हैं..., आनन्द देने वाले हैं....। परमानन्द देने वाले हैं....., प्यार के सागर शिवबाबा के प्यार में कितना अथाह सुख समाया हुआ है.....।

मुधर मिलन का अनुभव करने के लिए मैं परम पवित्र आत्मा हूँ :-

इस संकल्प को बार-बार दोहराते हुए अपने स्वमान में स्थित होकर संसार में चारों ओर पवित्रता के बायब्रेशन फैलायें..... तो बड़ा मजा आएगा, अपने आस पास के वातावरण को भी रूहानियत वाला बनाएं.....। बार बार पवित्र आत्मा का स्वरूप अनुभव करने से अंग अंग शीतल, शान्त हो जाएगा .... अपार सुख, शान्ति आनन्द, बाबा के प्यार की सुखद अनुभूति होती रहेगी। बाबा के प्यार में समाए रहेंगे।